

॥ नामरामायणम् ॥

॥ बालकाण्डः ॥

शुद्धब्रह्मपरात्पर
 कालात्मकपरमेश्वर
 शेषतल्पसुखविनिद्रित
 ब्रह्माद्यमरप्रार्थित
 चण्डकिरणकुलमण्डन
 श्रीमद्वशारथनन्दन
 कौसल्यासुखवर्धन
 विश्वामित्रप्रियधन
 घोरताटकाधातक
 मारीचादिनिपातक
 कौशिकमरुसंरक्षक
 श्रीमद्भल्योद्धारक
 गौतममुनिसम्पूजित
 सुरमुनिवरगणसंस्तुत
 नाविकधावितमृदुपद
 मिथिलापुरजनमोहक
 विदेहमानसरञ्जक
 त्र्यम्बककार्मुखभञ्जक
 सीतार्पितवरमालिक
 कृतवैवाहिककौतुक
 भार्गवदर्पविनाशक
 श्रीमद्योद्यापालक

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ अयोध्याकाण्डः ॥

अगणितगुणगणभूषित
अवनीतनयाकामित
राकाचन्द्रसमानन
पितृवाक्याश्रितकानन
प्रियगुहविनिवेदितपद
तत्क्षालितनिजमृदुपद
भरद्वाजमुखानन्दक
चित्रकूटाद्रिनिकेतन
दशरथसन्ततचिन्तित
कैकेयीतनयार्थित
विरचितनिजपितृकर्मक
भरतार्पितनिजपादुक

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम।

॥ अरण्यकाण्डः ।

दण्डकावनजनपावन
दुष्टविराधविनाशन
शरभज्जसुतीक्षणार्चित
अगस्त्यानुग्रहवर्धित
गृध्राधिपरसंसेवित
पञ्चवटीतटसुस्थित
शूर्पणखार्त्तिविधायक
खरदूषणमुखसूदक

सीताप्रियहरिणानुग
 मारीचार्तिकृताशुग
 विनष्टसीतान्वेषक
 गृध्राधिपगतिदायक
 कवन्यबाहुच्छेदन
 शबरीदत्तफलाशन
 राम राम जय राजा राम।
 राम राम जय सीता राम ॥

॥ किञ्चिन्द्रिकाण्डः ॥

हनुमत्सेवितनिजपद
 नतसुग्रीवाभीष्टद
 गर्वितवालिसंहारक
 वानरदूतप्रेषक
 हितकरलक्ष्मणसंयुत

॥ सुन्दरकाण्डः ॥

कपिवरसन्ततसंस्मृत
तद्रुतिविध्वंसक
सीताप्राणाधारक
दुष्टदशाननदूषित
शिष्ठहन्मद्भूषित
सीतावेदितकाकावन
कृतचूडामणिदर्शन
कपिवरवचनाध्यासित

राम

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ युद्धकाण्डः ॥

रावणनिधनप्रस्थित	राम
वानरसैन्यसमावृत	राम
शोषितसरिदीशार्थित	राम
विभीषणाभयदायक	राम
पर्वतसेतुनिबन्धक	राम
कुम्भकर्णशिरश्छेदक	राम
राक्षससङ्खविर्मद्दक	राम
अहिमहिरावणचारण	राम
संहृतदशमुखरावण	राम
विधिभवमुखसुरसंस्तुत	राम
खःस्थितदशरथवीक्षित	राम
सीतादर्शनमोदित	राम
अभिषिक्तविभीषणनत	राम
पुष्पकयानारोहण	राम
भरद्वाजाभिनिषेवण	राम
भरतप्राणप्रियकर	राम
साकेतपुरीभूषण	राम
सकलस्वीयसमानत	राम
रत्नलसत्पीठास्थित	राम
पट्टाभिषेकालङ्घृत	राम
पार्थिवकुलसम्मानित	राम
विभीषणार्पितरञ्जक	राम
कीशकलानग्रहकर	राम

सकलजीवसंरक्षक
समस्तलोकाधारक
राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

राम	अश्वमेघक्रतुदीक्षित	राम
राम	कालावेदितसुरपद	राम
	आयोध्यकजनमुक्तिद	राम
	विधिमुखविबुधानन्दक	राम
	तेजोमयनिजरूपक	राम
	संसृतिबन्धविमोचक	राम
राम	धर्मस्थापनतत्पर	राम
राम	भक्तिपरायणमुक्तिद्	राम
राम	सर्वचराचरपालक	राम
राम	सर्वभवामयवारक	राम
राम	वैकुण्ठालयसंस्थित	राम
राम	नित्यानन्दपदस्थित	राम
	राम राम जय राजा राम।	
	राम राम जय सीता राम॥	

॥ उत्तरकाण्डः ॥

आगतमुनिगणसंस्तुत
विश्रुतदशकण्ठोद्भव
सितालिङ्गननिर्वृत
नीतिसुरक्षितजनपद
विपिनत्याजितजनकज
कारितलवणासुरवध
स्वर्गतशम्बुकसंस्तुत
स्वतनयकुशलवनन्दित

राम
राम
राम
राम
राम
राम
राम
राम

॥ इति श्रीलक्ष्मणाचार्यविरचितं नामरामायणं सम्पूर्णम्॥



वैदेहीसहितं सुरद्रुमतले हैमे महामण्डपे
मध्ये पुष्पकमासने मणिमये वीरासने सुस्थितम्।
अग्रे वाचयति प्रभञ्जनसुते तत्त्वं मुनिभ्यः परं
व्याख्यान्तं भरतादिभिः परिवृतं रामं भजे श्यामलम्॥

वामे भूमिसुता पुरश्च हनुमान् पश्चात् सुमित्रासुतः
शत्रुघ्नो भरतश्च पार्वदलयोर्वाख्यादिकोणेषु च।
सुग्रीवश्च विभीषणश्च युवराट् तारासुतो जाम्बवान्
मध्ये नीलसरोजकोमलरुचिं रामं भजे श्यामलम्॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:
http://stotrasamhita.net/wiki/Nama_Ramayanam.

 generated on **November 23, 2025**

Downloaded from  <http://stotrasamhita.github.io> |  StotraSamhita | [Credits](#)